
Anupam Agrawal
The Comics' Universe


प्राण
पिंकी और
कुटकुट गिलहरी
डायमण्ड कॉमिक्स
D-720 8.00
मुफ्त
action



कार्टूनिस्ट प्राण

यह कॉमिक कार्टूनिस्ट प्राण की विभिन्न रचनाओं में से एक है. प्राण का जन्म कसूर नामक छोटे से कसबे में हुआ था, जो अब पाकिस्तान में है. विभाजन के बाद उनका परिवार ग्वालियर आकर बस गया. एम.ए. (राजनीति) और बम्बई में फाइन आर्ट्स का अध्ययन करने के बाद उनका कार्टूनिंग कैरियर 1960 में दैनिक मिलाप, नई दिल्ली से शुरू हुआ.

उन दिनों विदेशी कॉमिक स्ट्रिप्स का पूरे भारत में एकाधिकार था. प्राण ने इस एकाधिपत्य को समाप्त करने के विचार से भारतीय पात्रों को लेकर स्थानीय विषयों और समस्याओं पर कॉमिक्स बनानी शुरू की. उन्होंने एक आम मध्यम वर्ग की भारतीय गृहिणी को लेकर 'श्रीमतीजी' कॉमिक्स बनाई, जो अब 'मनोरमा' (इलाहाबाद) में प्रकाशित हो रही है. उनके दूसरे चरित्र 'चाचा चौधरी', 'रमन', 'बिल्लू', और 'पिंकी', सारे भारत में लोकप्रिय हो चुके हैं.

डायमण्ड कॉमिक्स ने उनकी स्ट्रिप्स को पुस्तकबद्ध करके एक नया आयाम दिया.

1983 में स्वर्गीय प्रधान मंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने प्राण की राष्ट्रीय एकता पर बनाई गई कॉमिक्स 'रमन – हम एक हैं' का बिक्री के लिए विमोचन किया. 1982 वर्ष का ठिठोली पुरस्कार इनको देकर सम्मानित किया गया.

प्राण के चरित्रों की अत्यन्त लोकप्रियता का रहस्य है कि वे सीधे सरल हास्य द्वारा पाठकों को भीतर तक गुदगुदा देते हैं. उनके शब्दों में - ''अगर मैं टैक्स और मंहगाई के बोझ से दबे भारतीयों को कुछ हंसा सकूं तो अपने मकसद को सफल समझूंगा''.

—प्रकाशक

Printed and Published by: NARENDER KUMAR For Diamond Comics (P) Ltd. 2715, Darya Ganj, New Delhi and Printed at: Best Photo Offset Printers Okhla N.Delhi. Editor: Gulshan Rai.


पिंकी और कुटकुट
भगवान! किचन में आज खाने की मजेदार खुशबू आ रही है. क्या पक रहा है?
मटर-आलू, भर्ता, पालक, पनीर ---
--- वेजीटेबल कोफ्ते, दाल, रायता, खीर और परांठे.
मेरे मुंह में पानी आ रहा है.
मैं सारा खाना सजाकर ले आयी हूं. चैन से खाओ.
AGRAWAL


कुछ दूरी पर.
पिंकी ! तुम्हारी शैतान कुटकुट मेरे रुस्तम को सता रही है.
मियां बंडल ! मेरी गिलहरी तुम्हारे बकरे से कहीं छोटी है. वह उसे क्या परेशान करेगी ?
वह कहीं से एक बकरे की तस्वीर उठा लायी है. जब मेरा रुस्तम उस तस्वीर को देखता है तो गुस्से से बौखला उठता है.
और उसे दूसरा बकरा समझकर मारने दौड़ता है.
ही!ही!
धड़ाकक!
मेरा बकरा इस तरह कई बार दीवार से सिर फोड़ चुका है.

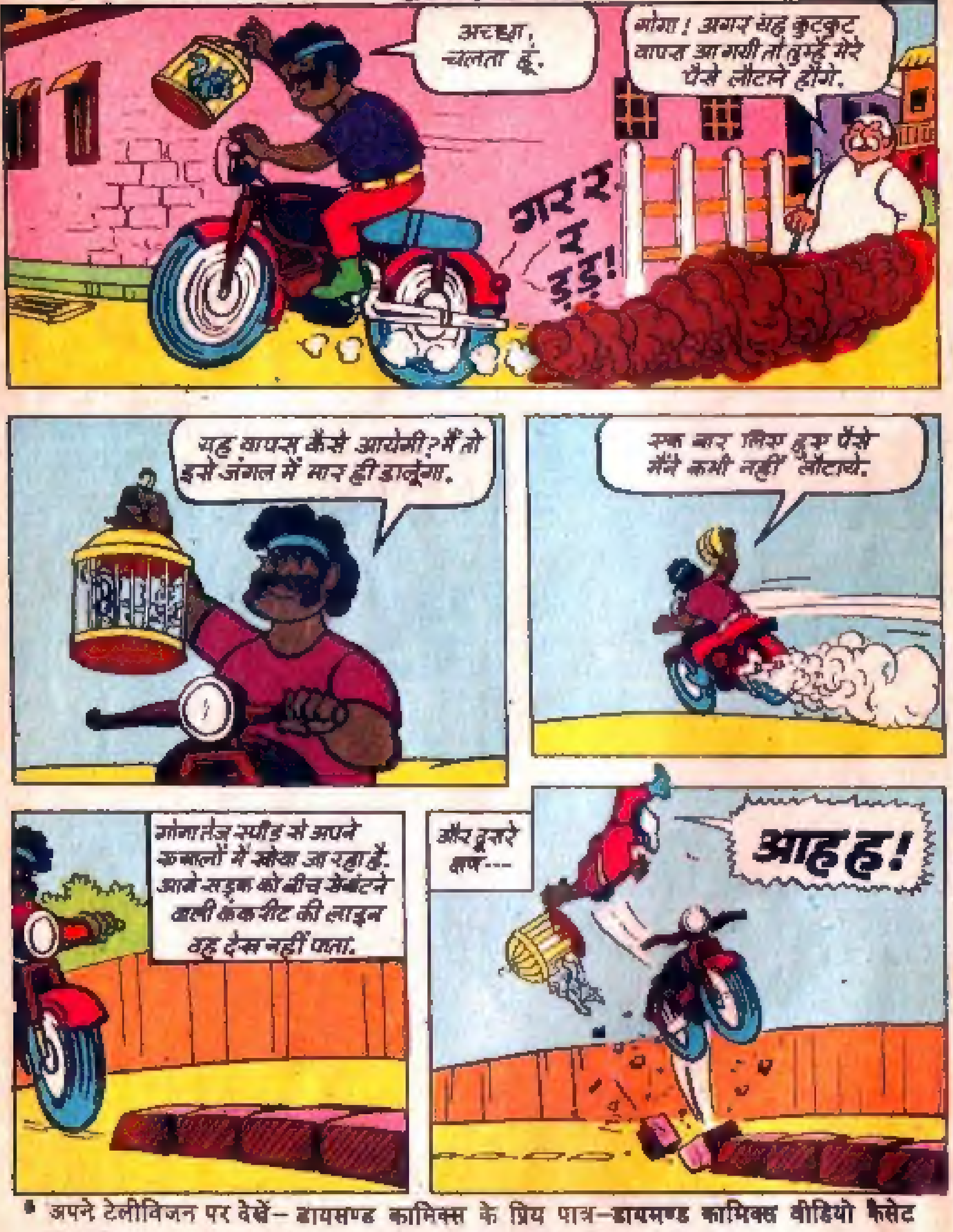

कुटकुट! तुम्हारी शिकायतें सुनते हुए मैं तंग आ चुकी हूं. तुम्हें सजा मिलेगी.
रुस्तम! धीरज रखो. मैं तुम्हें मरहम मल दूंगा.
रुको! कहां भागी जा रही हो?
बहुत दिनों बाद अच्छा भोजन मिला है.
धपपपप!
ओह न!



* चाचा चौधरी अब फिल्म स्टार बन कर आपका कैसे मनोरंजन करेंगे? पढ़िये अगले माह 'चाचा चौधरी



देखो, वह रहा जानवर जिसे तुमने पकड़ना है.
मैं चने फेंकता हूं, जिन्हें वह खाने आयेगी.
गिलहरी चनों की तरफ आकर्षित हुई है.
पकड़ लिया!
कहो तो गिलहरी के सौ टुकड़े कर दूं?
नहीं ऐसा न करना. मैं अपने सिर पर पाप नहीं लेना चाहता. इसे दूर जंगल में छोड़ आओ.


अच्छा,
चलता हूं.
गोगा! अगर यह कुटकुट
वापस आ गयी तो तुम्हें मेरे
पैसे लौटाने होंगे.
गर र र
र
ड़ड़!
यह वापस कैसे आयेगी? मैं तो
इसे जंगल में मार ही डालूंगा.
एक बार लिए हुए पैसे
मैंने कभी नहीं लौटाये.
गोगा तेज स्पीड से अपने
ख्यालों में खोया जा रहा है.
आगे सड़क को बीच से बांटने
वाली कंकरीट की लाइन
वह देख नहीं पाता.
और दूसरे
क्षण---
आह ह!


आह ! दर्द के मारे मैं उठ नहीं सकता.
कुटकुट ! तुम कहां थीं? मैं तुम्हें ढूंढ रही थी.
गोगा ! तुम्हारी यह हालत किसने बनायी?
एक गिलहरी ने, चच्चा चौंगा !
मैंने कितने ही शेर, हाथी, गैंडे और दूसरे खूंख्वार जानवर शिकार में मारे हैं, और एक मामूली गिलहरी ने मेरे भतीजे की यह हालत कर दी?
चलो, दिखाओ मुझे वह चुहिया, मैं उसे गोली मार दूंगा.
© PRAN'S FEATURES


वह रही, शैतान !
बस, वह मरी समझो.
ढिश!
डपपप!
ओह !
शैतान लड़की ! तुमने मेरे शिकार में विघ्न डाला.
सॉरी अंकल ! लीजिए, अपनी दोनाली.
मेरी एक ही गोली से गिलहरी की धज्जियां उड़ जायेंगी.
?!



चाचा भतीजा को चुनौती देने वाली सामरी की जादू से भरपूर रहस्यमय कॉमिक "चाचा भतीजा और सामरी" की चुनौती अगले माह के सैट में पढ़ना न भूलें।


कमाई
बूट पालिश!
अरे? इतनी छोटी उम्र में काम करने निकल पड़ी? यह उम्र तो तुम्हारे स्कूल जाने की है.
हम गरीब बच्चों के लिए किताबें खरीदने के लिए धन इकट्ठा कर रही हैं.
यह तो सचमुच नेक काम है.
चलो मेरे जूते पालिश कर दो.
जूते इतने चमका दूंगी कि आप इनमें अपना चेहरा देख सकते हैं.

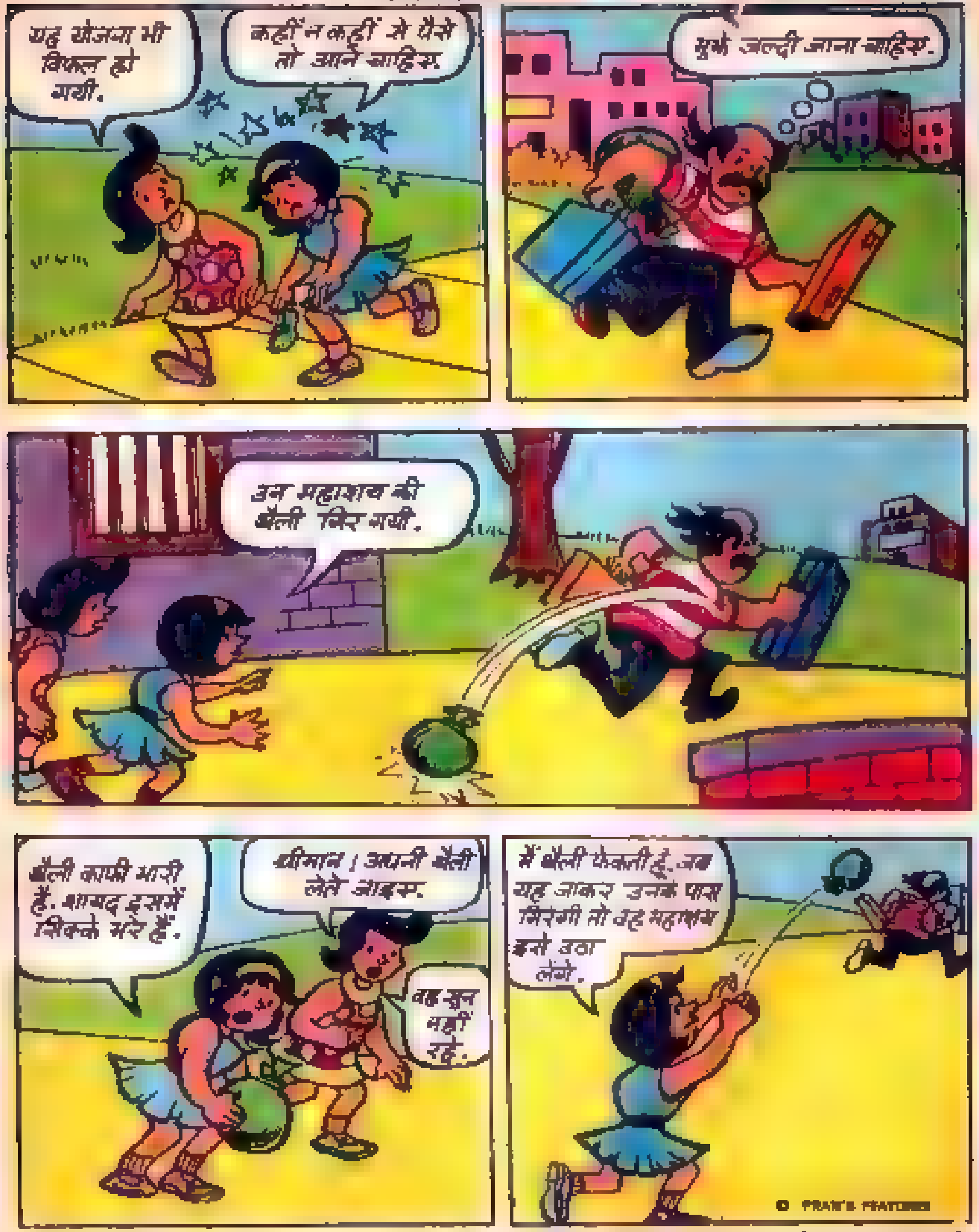

दूसरा बूट आगे बढ़ाइये.
बाबूजी! दोनों जूते पालिश हो गये निकालिए पैसे.
पैसे या चांटा?
बच्चो, जूतों के साथ तुमने मेरी नयी पैंट पर भी पालिश पोत दी.
?
तुम्हें मुआवजा चुकाना होगा.
लड़कियो! रुको! मेरे कपड़े बर्बाद करने की तुम्हें सजा मिलेगी.
बाप रे! यहां तो लेने के देने पड़ गये.


दीदी ! ब्रूटपालिश अपने बस का रोग नहीं.
लेकिन हमने गरीबों के लिए किताबें तो खरीदनी हैं.
आइडिया! लोगों के घरों में पालतू कुत्ते होते हैं. क्यों न हम उन्हें सैर को ले जायें. बदले में अपनी फीस लें ?
अच्छा ख्याल है.
आंटी ! क्या आपके घर में प्यारा सा कुत्ता है ?
हां, है ?
हम उसे सैर कराने ले जाया करेंगे. आप हमें कुछ रुपये फीस दिया करें.
मंजूर है. रुको, मैं अपने प्यारे टिल्लू को लाती हूं.
एक घंटे तक इसे ताजी हवा खिला लाओ !
हः वू वू!


टिंकू! धीरे चलो.
वह तो मेरे हाथों से निकला आ रहा है
हू-वू-वू!
रुको! तुम्हें उस बिल्ली के पीछे नहीं जाना. ओह हू! इसे कंट्रोल करना मुश्किल हो गया है.
बाऊ! वाऊ!!
आऊ! वह रस्सी छुड़ाकर भाग खड़ा हुआ!
मैं कहती हूं रुको! वह बिल्ली तुम्हें कहां का कहां ले जायेगी.
बाऊ! वाऊ!


लड़कियो ! मेरा प्यारा कुत्ता टिल्लू कहां है?
वह बिल्ली के पीछे भाग गया.
जानती हो, मैं वह कुत्ता हांगकांग से लायी थी.
पिंकी ! यह धंधा भी फेल हो गया.
लेकिन हमें किताबें खरीदने के लिए पैसे तो कमाने हैं.
क्यों न हम नन्हें बच्चों की रखवाली करें ?
हां, वे भागकर कहीं जायेंगे भी नहीं.
डबलू ! थोड़ी देर में घर से मैं तुम्हारे लिए दूध गर्म करके लाऊंगी.
आंटी ! जब तक आप दूध लायें हम डबलू की देखभाल करेंगी. बदले में आप हमें कुछ पैसे दे देना.
ठीक है.
वा ! वा !
रोओ मत ! तुम्हारी मम्मी जल्दी वापस आयेगी.


लो, तब तक तुम पानी पियो.
वह पी रहा है, और उसने रोना भी बंद कर दिया.
ओह ह!
फरररर!
बदतमीज! तुमने मेरे मुंह पर पानी मारा? मैं तुम्हें सबक सिखाती हूं.
हा! हा!
यह चांटा कैसा है?
लड़की! तुमने मेरे प्यारे डब्लू को डांटा।
वा! वा!!
चांटा!
यह रही मेरे बेटे को रुलाने की सजा.

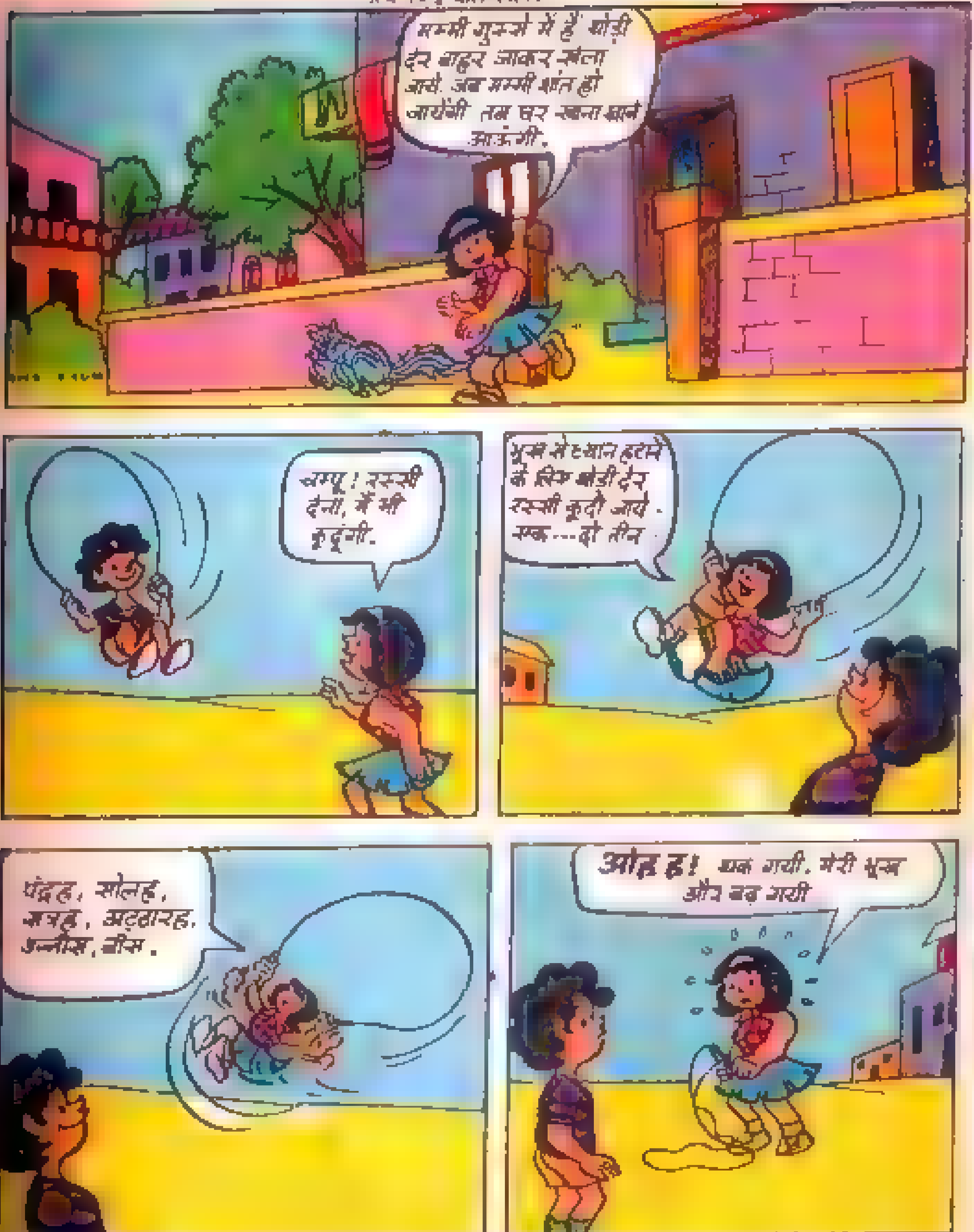


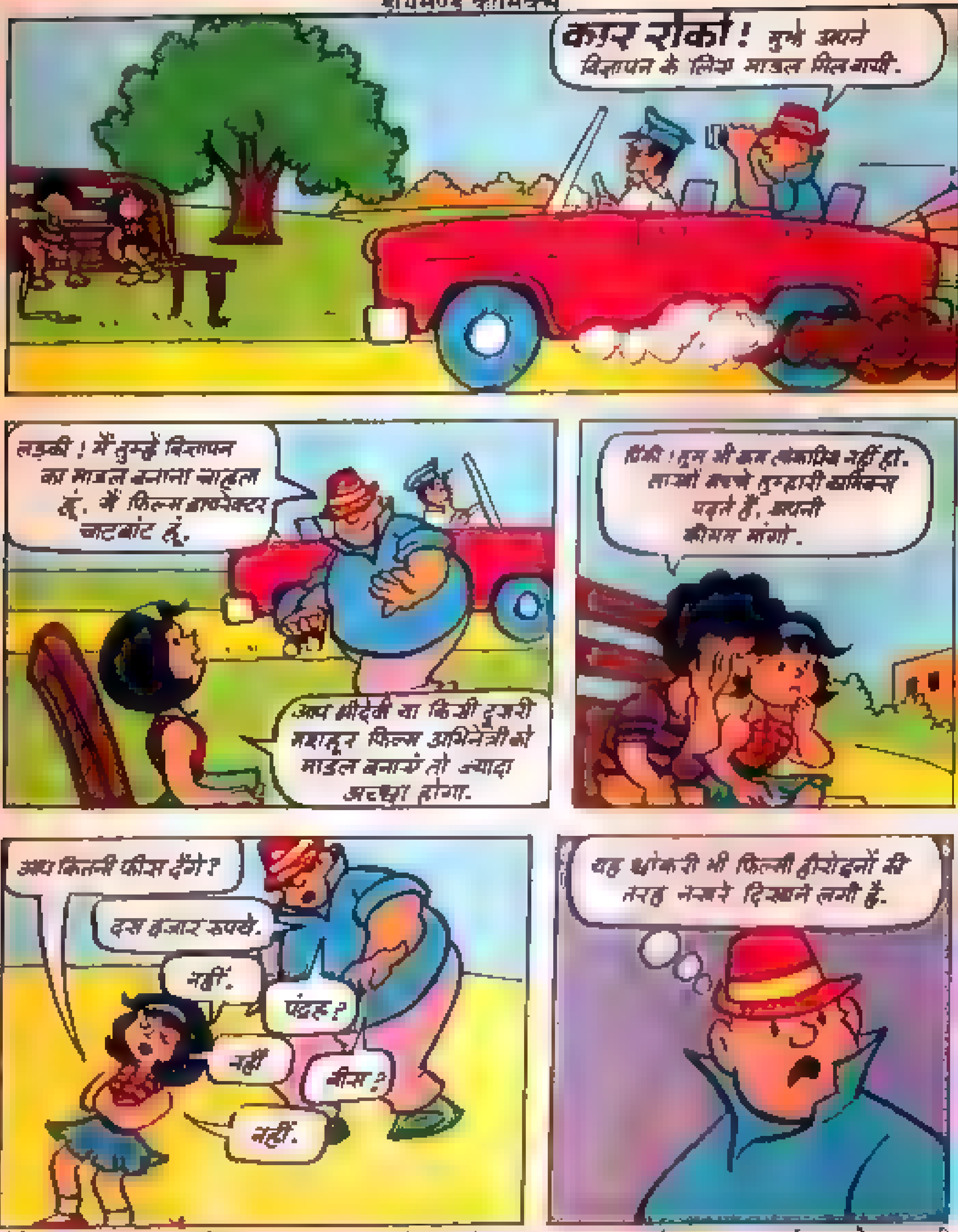
कार्टूनिस्ट प्राण का बेहतरीन पात्र श्रीमती जी और शादी की वर्षगांठ अगले माह के सैट में पढ़ना न भूलें।



अपने टेलीविजन पर देखें डायमण्ड कामिक्स के प्रिय पात्र–डायमण्ड कामिक्स वीडियो कैसेट में प्रत्येक का मूल्य 125/- रुपये। विस्तृत जानकारी के लिए पत्र लिखें।


चस्का चाकलेट
मम्मी! भूख लगी है.
अभी खाना बनने में देर है. तब तक सब्र करो.
तुम्हें हमेशा कुछ न कुछ खाने को चाहिए. जब भूख लगी हो तब खाना जब भूख न लगी हो तब भी तुम्हें कुछ खाने को चाहिए.
क्या?
मेरा भेजा!


मम्मी गुस्से में हैं थोड़ी देर बाहर जाकर खेल आऊं. जब मम्मी शांत हो जायेंगी तब घर खाना खाने आऊंगी.
चम्पू! रस्सी देना, मैं भी कूदूंगी.
भूख से ध्यान हटाने के लिए थोड़ी देर रस्सी कूदी जाये. एक---दो तीन
पंद्रह, सोलह, सत्रह, अट्ठारह, उन्नीस, बीस.
ओह ह! थक गयी. मेरी भूख और बढ़ गयी


कार रोको! मुझे अपने विज्ञापन के लिए माडल मिल गयी.
लड़की! मैं तुम्हें विज्ञापन का माडल बनाना चाहता हूं. मैं फिल्म डायरेक्टर चटबांट हूं.
आप श्रीदेवी या किसी दूसरी मशहूर फिल्म अभिनेत्री को माडल बनाएं तो ज्यादा अच्छा होगा.
पिंकी! तुम भी कम लोकप्रिय नहीं हो. लाखों बच्चे तुम्हारी कॉमिक्स पढ़ते हैं. अपनी कीमत मांगो.
आप कितनी फीस देंगे?
दस हजार रुपये.
नहीं.
पंद्रह?
नहीं
बीस?
नहीं.
यह छोकरी भी फिल्मी हीरोइनों की तरह नखरे दिखाने लगी है.


आप किस चीज का विज्ञापन बनायेंगे ?
जो दाम कहेंगी, मैं दूंगा.
चस्का चाकलेट का.
चाकलेट ?---तब मैं जरूर माडल बनूंगी. मुझे भूख लगी है.
तो फिर बैठो कार में, स्टूडियो चलें.
चाकलेट के विज्ञापन के लिए तुम उपयुक्त माडल हो.
इधर आओ.
चाकलेट्स कहां हैं?

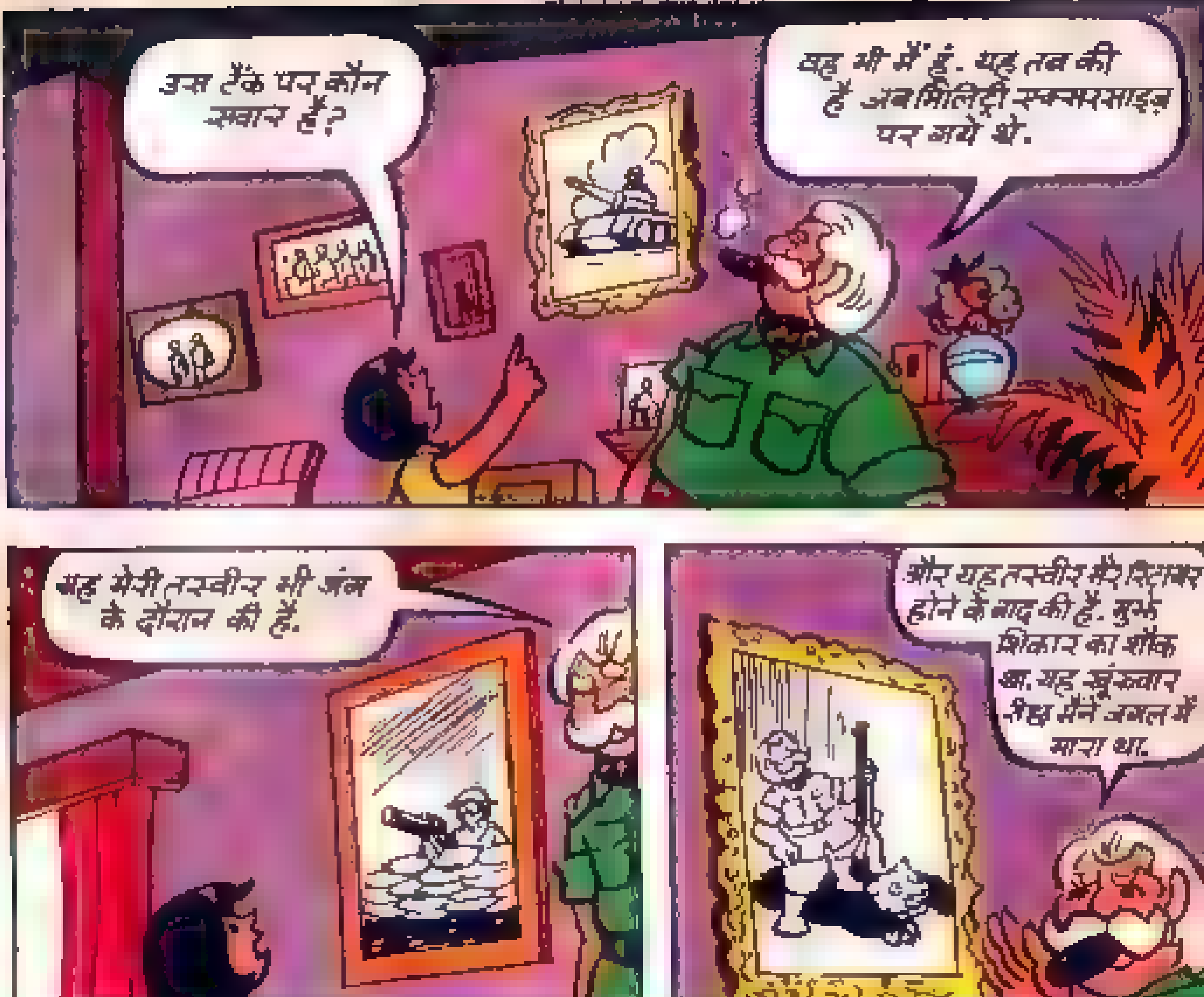


डायमण्ड कामिक्स में अगले माह पढ़िये—एक ऐसी खूनी चमगादड़ का आतंक जिसने लोगों का खून चूस कर हाहाकार मचा दिया था। महाबली शाका ने उनका किस प्रकार अन्त किया पढ़ें महाबली शाका और खूनी चमगादड़।


मिल्क चाकलेट, ---नट्स चाकलेट, क्रिस्प चाकलेट---
---ऑरेंज चाकलेट--- छोटा चाकलेट, बड़ा चाकलेट, टू इन वन चाकलेट---
डिब्बा खत्म हो गया अब तो शूटिंग शुरू करें?
आज नहीं. शूटिंग कल करेंगे.
क्यों?
क्योंकि मुझे नींद आ रही है.
खर्र! खर्र!!

मच्छर का शिकार

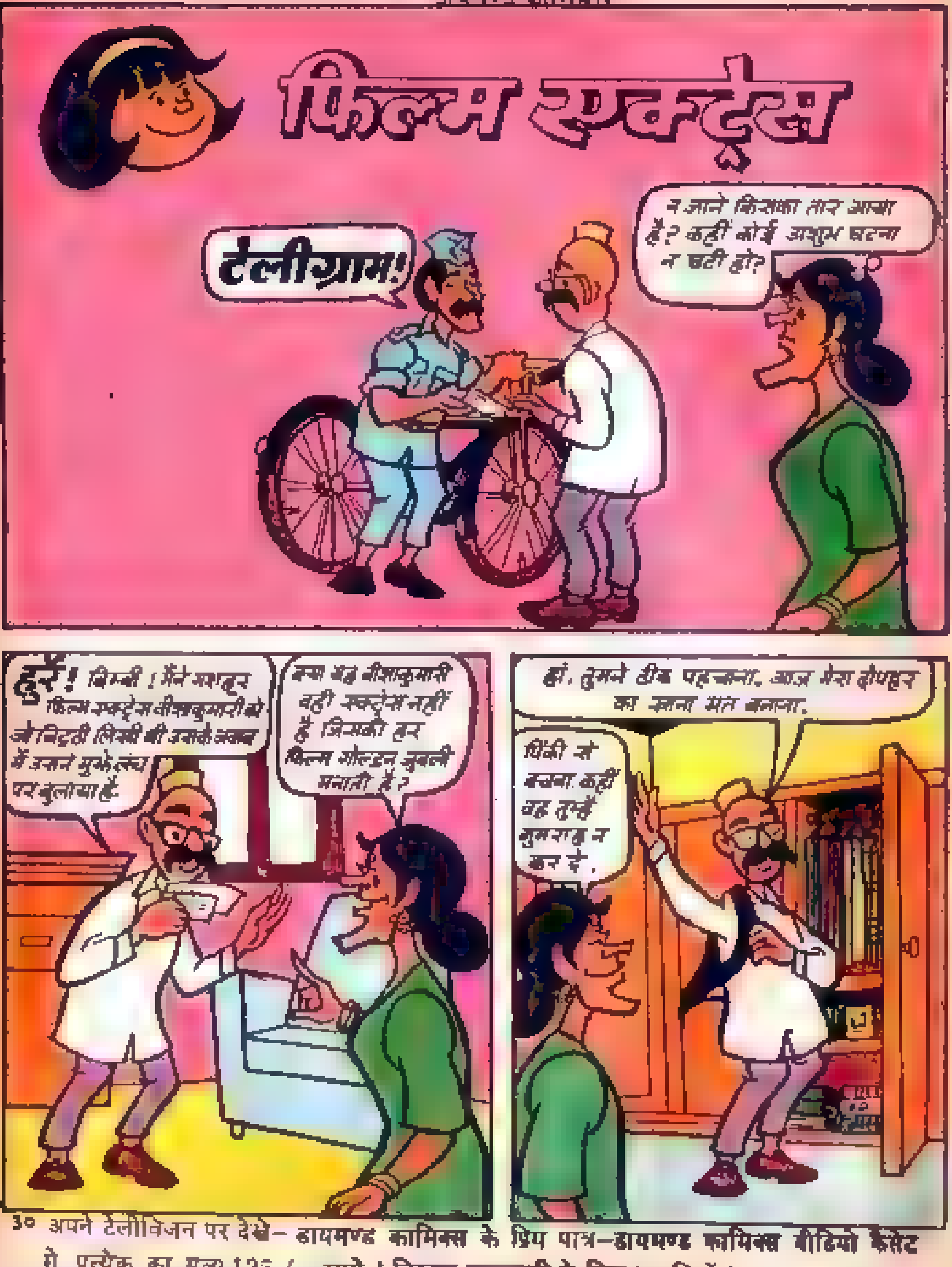

कर्नल साहब! क्या कर रहे हैं?
पिंकी! मैं अपनी तस्वीर साफ कर रहा हूं.
लेकिन यह आपकी तस्वीर नहीं है-इसमें जो व्यक्ति है उसकी मूंछें काली हैं.
हा! हा!
यह मेरी जवानी की फोटो है.
दूसरे महायुद्ध में मैंने बड़े करतब दिखाये थे. यह फोटो तब खींची गयी थी.


उस टैंक पर कौन सवार है?
यह भी मैं हूं. यह तब की है जब मिलिट्री एक्सरसाइज़ पर गये थे.
यह मेरी तस्वीर भी जंग के दौरान की है.
और यह तस्वीर मेरे रिटायर होने के बाद की है. मुझे शिकार का शौक था. यह खूंख्वार शेर मैंने जंगल में मारा था.
यह आपका शौक था ?
हां, वैसा ही जैसे तुम्हे गुड़ियों से खेलने का शौक है .


गीध तो खतरनाक जानवर हैं. शायद जब वह सो रहा था आपने उसे तब मारा होगा.
सोते पर वार करना कायरता है. हमारी आमने सामने लड़ाई हुई, और जानवर मारा गया.
यही नहीं मैं अब तक शिकार में पांच शेर, दो हाथी, आठ चीते और बारह लकड़बग्घे मार चुका हूं.
कर्नल साहब! आपके गाल पर मच्छर बैठा है.
धड़ाकक!
वह उड़ गया.
उसका मरना जरूरी है.
FRAN'S FEATURES



वह फैंसी लाइट पर बैठ गया है. एक ही भरपूर हाथ से उसका कचूमर निकल जायेगा.
कड़ाक क!
मच्छर अभी जिन्दा है.
मैं उसे गोलियों से भून दूंगा.
तड़ड़राटट!
वह आपकी नाक पर बैठा है--- एक मच्छर तो आप मार नहीं सके, शेर और चीते का शिकार क्या किया होगा?


फिल्म एक्ट्रेस
टेलीग्राम!
न जाने किसका तार आया है? कहीं कोई अशुभ घटना न घटी हो?
हुर्रे! बिन्नी! मैंने मशहूर फिल्म एक्ट्रेस मीनाकुमारी को जो चिट्ठी लिखी थी उसके जवाब में उसने मुझे लंच पर बुलाया है.
क्या यह मीनाकुमारी वही एक्ट्रेस नहीं है जिसकी हर फिल्म गोल्डन जुबली मनाती है?
हां, तुमने ठीक पहचाना. आज मेरा दोपहर का खाना मत बनाना.
पिंकी से बचना. कहीं वह तुम्हें गुमराह न कर दे.



अगले माह फैन्टम की बहादुरी से भरपूर नया कारनामा फैन्टम नं. 26 में पढ़ना न भूलें।


मगर हवलदार साहब! मैं चोर नहीं हूं.
सारे चोर यही कहते हैं.
अगर तुम चोर नहीं हो तो फिर मुंह छुपाये क्यों फिर रहे हो? चलो पुलिस स्टेशन!
मर गये.
रुको! हवलदार डंडादीन! मैं इन्हें पहचानती हूं, यह मफरजी हैं. एक शरीफ आदमी.
माफ करना गलत फहमी हो गयी चोर पकड़ने की सैंचुरी बनने से पहले ही मैं आउट हो गया.
धन्यवाद पिंकी तुमने मुझे बचा लिया. अब तुमसे चेहरा क्या छुपाना?



चाचा भतीजा को चुनौती देने वाली सामरी की जादू से भरपूर रहस्यमय कॉमिक चाचा भतीजा और सामरी की चुनौती अगले मास के सैट में पढ़ना न भूलें।


वाह ह! इतनी बड़ी डायनींग टेबल और इतने सारे पकवान! लगता है
को खाने का बहुत शौक है
वीणाकुमारी से मिलना है.
वह अभी शूटिंग से नहीं आयी. उधर बैठकर इंतजार कीजिए.
पता नहीं कितनी देर इंतजार करना होगा ?
ऐसा नहीं कहते.
खर्र! खर्र!!
भापटजी! जागिए! अगर वीणाकुमारी ने आपके खर्राटे सुन लिए तो वह हमें असभ्य समझेगी.
जरा आंख लग गयी थी,-- और कितना इंतजार करना पड़ेगा? भूख लगी है.


इतने सारे पकवानों में हम क्या खायेंगे और क्या छोड़ेंगे?
जो एक्ट्रेस खायेगी वही हम भी खायेंगे सीधी सी बात है.
समझ गया.
वीणाकुमारी जी आ गयी हैं!
सलाम मेम साहब!
नमस्ते! आप फिल्मों में जैसी दिखायी देती हैं उससे कहीं ज्यादा खूबसूरत हैं
बैठिए. खाना शुरु करें.
अरे भई! मेरे लिए पान लाओ.


मैं आजकल डायटिंग पर हूं. फिल्म प्रोड्यूसर मुझे स्लिम होने को कह रहे हैं.
मर गये!
मा-! मा-! झपटजी, हमें शिष्टाचार के नाते वही खाना है जो हमारी मेज़बान खायेंगी. इससे वह खुश होंगी.
लड्डू, खब-खब पान तुम भी खायेंगे.
आप कहाँ भागे जा रहे हो?
अपने घर को. भूख के मारे पेट में बम फट रहे हैं.
झूठ मत बोलो कि तुम खाना खाकर नहीं आये. भर पेट खाना खाने के बाद पान खाते हैं और तुम्हारा मुंह पान से अभी तक लाल है.


नानी का उपवास
नानी ! मैं इम्तहान में पास हो गयी हूं. तुम्हारे लिए मिठाई लायी हूं.
पिंकी ! तुम्हारे पास होने की मुझे खुशी है.
मुंह खोलो ! मैं बरफी खिलाती हूं.
नहीं आज मेरा उपवास है, मैं कुछ नहीं खाऊंगी.
इसे मैं रख देती हूं, कल खाऊंगी.



 चाचा चौधरी अब फिल्म स्टार बन कर आपका कैसे मनोरंजन करेंगे? पढ़िये अगले माह 'चाचा चौधरी और फिल्म स्टार' में। साथ में मैग्नेट स्टिकर मुफ्त।


डाक्टर साहब, मेरी नानी की दवाई दे दीजिए.
रुको, देता हूं.
एक खुराक अभी दूसरी दोपहर को और तीसरी रात को पीनी है.
नानी! आपकी दवाई दिन में तीन बार पीनी है.
नानी!
पहले दवाई पी लेने दो फिर बात करना.
हां, अब बोलो, पिंकी!
नानी डाक्टर साहब ने दवाई में पानी मिलाया था, जो आप पी गयीं. उपवास टूटा या नहीं?


बड़ा तरबूज
हमें एक तरबूज खरीदना है.
एक तरबूज लगभग पंद्रह रुपये का आयेगा.
लेकिन हमारे पास तो सिर्फ दो रुपये हैं.
तब फिर ककड़ी खाकर अपना शौक पूरा कर लो.
दीदी! फिक्र न करो. अगर हम सीधा खेत से तरबूज खरीदें तो सस्ता मिलेगा.
ठीक है, दीदी!


खेत आ गया. किसान हमारा इंतजार कर रहा है.
वह किसान नहीं. वह चिड़ियां और जानवर भगाने वाला पुतला है.
वह रहा खेत का मालिक.
हमें एक तरबूज चाहिये लेकिन हमारे पास सिर्फ दो रुपये हैं
तरबूज मिल जायेगा. लेकिन एक बार खरीदा हुआ माल मैं वापस नहीं लेता.
मंजूर है यह लीजिए पैसे.
इतने सारे तरबूज?
हमें देखभाल कर एक चुनना है.


इसे ले लें ?
नहीं, यह छोटा है. इधर आओ, बीबी !
यह कैसा रहेगा ?
वाह ! यह शायद सबसे बड़ा तरबूज है. हम इसे खायेंगे और इसके छिलके तुम्हारी गाय खायेगी.
हम इसे लेते हैं.
ठीक है.
इतना बड़ा तरबूज बाजार में चालीस रुपये से कम का नहीं आयेगा.
भगवान ! लड़कियां इसे उठा नहीं पायेंगी और यह यहीं रहेगा.
आह ह! उठ नहीं रहा.
छोटा तरबूज लेते तो अच्छा था.
सौदा हो चुका. यहां माल बदला नहीं जाता.
© PRAN'S FEATURES


मैं किसी मजदूर को लाती हूं.
एक तरबूज रेहड़ी पर रखकर हमारे घर पहुंचाना है.
गाड़ी भाड़ा दस रुपये होगा.
माल की कीमत से ज्यादा उसे ढोकर ले जाने की मजदूरी है.
हम इसे धकेलकर ले जाते हैं.
ओह ह! चढ़ाई आ गयी.



 चाचा भतीजा को चुनौती देने वाली सामरी की जादू से भरपूर रहस्यमय कॉमिक चाचा भतीजा और सामरी की चुनौती अगले माह के सैट में पढ़ना न भूलें।


सोते जागते मुसीबत
बाबू राजेन्द्र प्रसाद स्वतंत्र भारत के प्रथम राष्ट्रपति थे...
पिंकी! फुटपाथ पर बैठकर क्यों पढ़ रही हो? घर के अंदर क्यों नहीं पढ़ती?
डाक्टर साहब! आइए मेरे घर में.
कुटकुट गिलहरी के खर्राटों की आवाज़ में कौन ठीक ढंग से पढ़ सकेगा?
खर्र! खर्र!!
मेरी दवाई तुम्हारी समस्या को सुलझा देगी.


लेकिन यह तो सो रही है. दवाई कैसे खायेगी?
खर्र! खर्र!!
उसका भी मेरे पास प्रबंध है.
नली का एक सिरा गिलहरी के मुंह में डाला और दूसरे सिरे में दवाई की गोली. दवाई सीधी इसके पेट में चली जायेगी.
खर्र! खर्र!!
क्या दवाई से कुटकुट के खर्राटे बंद हो जायेंगे?
नहीं. इससे गिलहरी को नींद नहीं आयेगी.
© PRAN'S FEATURES


कुछ देर बाद.
?
स्वेज़ नहर के बनने से यूरोप से एशियाई देशों को आने वाले जहाजों के लिए रास्ता छोटा हो गया.
पिंकी ! तुम फिर बाहर पढ़ रही हो. क्या तुम्हारी गिलहरी को नींद आ गयी ?
नहीं. वह जाग रही है. इसलिए मुझे घर से बाहर पढ़ना पड़ रहा है.
वह कैसे ?
मेरे साथ अंदर आइए.
कुटकुट अपनी फ्रैंड को घर पर ले आयी है. और दोनों की धमाचौकड़ी में कौन पढ़ सकता है ?

डायमण्ड कॉमिक्स

प्रस्तुत करते हैं।

महाबली शाका



[illegible] के बीहड़ों में रहने वाला सर्वशक्तिमान अजेय व्यक्ति। अपराधी जिसके नाम से थर-थर कांपते हैं। आदिवासी जिसे भगवान की तरह पूजते हैं। दुश्मनों के लिए साक्षात् मौत...।

महाबली शाका के अन्य कामिक्स

महाबली शाका और खूनी चमगादड़
महाबली शाका और [illegible]
महाबली शाका और चीनी लुटेरे
महाबली शाका और लोहे के शैतान
महाबली शाका और खूंखार [illegible]
महाबली शाका और [illegible] गुफा
महाबली शाका और [illegible] के चोर
महाबली शाका और [illegible]
महाबली शाका और [illegible]
महाबली शाका और शैतान शिकारी
महाबली शाका और [illegible] का खजाना
महाबली शाका और शैतान [illegible]
महाबली शाका और [illegible]
महाबली शाका और [illegible]
महाबली शाका और [illegible]
महाबली शाका और [illegible] के [illegible]
महाबली शाका और पाताल के दानव
महाबली शाका और [illegible]
महाबली शाका और [illegible] का [illegible]
महाबली शाका और खूनी [illegible]

महाबली शाका और [illegible] की देवी
महाबली शाका और मौत का दूत
महाबली शाका और [illegible] का अपहरण
महाबली शाका और [illegible] का [illegible]
महाबली शाका और [illegible]
महाबली शाका और [illegible] के [illegible]
महाबली शाका और [illegible]
महाबली शाका और [illegible] का [illegible]
महाबली शाका और मौत का [illegible]
महाबली शाका और [illegible] का [illegible]
महाबली शाका और [illegible]
महाबली शाका और [illegible] का खजाना
महाबली शाका और [illegible]
महाबली शाका और मौत की घाटी
महाबली शाका और [illegible] के [illegible]
महाबली शाका और [illegible] का [illegible]
महाबली शाका और
[illegible] की [illegible]



फौलादी सिंह के कामिक्स

फौलादी सिंह और शैतान [illegible]
फौलादी सिंह और डॉ. [illegible] का [illegible]
फौलादी सिंह और [illegible]
फौलादी सिंह और [illegible] में हंगामा
फौलादी सिंह और अंतरिक्ष में विस्फोट
फौलादी सिंह और नकली के [illegible]
फौलादी सिंह और [illegible]
फौलादी सिंह और [illegible]
फौलादी सिंह और मौत का [illegible]
फौलादी सिंह और [illegible]

फौलादी सिंह और अंतरिक्ष के [illegible]
फौलादी सिंह और [illegible] का [illegible]
फौलादी सिंह और
[illegible] का [illegible]
फौलादी सिंह और [illegible]
फौलादी सिंह और अंतरिक्ष का [illegible]
फौलादी सिंह और [illegible]
फौलादी सिंह और [illegible] का [illegible]
फौलादी सिंह और अंतरिक्ष का [illegible]



चाचा भतीजा के कामिक्स

चाचा भतीजा और सांभरी की चुनौती
चाचा भतीजा और [illegible] का [illegible]
चाचा भतीजा और [illegible]
चाचा भतीजा और [illegible]
चाचा भतीजा और [illegible]

चाचा भतीजा और [illegible] के हत्यारे
चाचा भतीजा और पाताल लोक
चाचा भतीजा और [illegible]
चाचा भतीजा और [illegible] का [illegible]
चाचा भतीजा और [illegible] का [illegible]

डायमण्ड कॉमिक्स प्रा. लि. 2715, दरियागंज, नई दिल्ली-110002